RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 097
दि. 05.08.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भरूच के जंबूसर में निमाणाधीन बल्क ड्रग पार्क के कामकाज की प्रगति का निरीक्षण किया

गांधीनगर, 04 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को भरूच जिले के जंबूसर में 815 हेक्टेयर यानी 2015 एकड़ क्षेत्र में निमार्णाधीन बल्क ड्रग पार्क का स्थल दौरा कर वहाँ हो रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। पीएम के नेतृत्व में 2020 में घोषित बल्क ड्रग पार्क पॉलिसी अंतर्गत गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के माध्यम से दवाइयों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के उद्देश्य से जंबूसर में इस बल्क ड्रग पार्क का आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ निर्माण हो रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने बदल दी रांझना की एंडिंग, कॉपीराइट का नहीं रहेगा महत्व?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल फिल्मों और क्रिएटिव वर्ल्ड में हो रहा है। अगर एआई की मदद से फिल्मों की कहानी ही बदल दी जाए या डॉयलॉग बदल दें, तो इसका क्या असर होगा? हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ एक वीडियो, जिसमें अक ने बॉलीवुड फिल्म 'रांझना' की एंडिंग बदल दी। इस वीडियो में कुंदन (धनुष) की मौत नहीं होती, बल्कि जोया (सोनम कपूर) के साथ वह एक नई शुरूआत करता है। इस पर फिल्म के एक्टर धनुष और डायरेक्टर ने भी नाराजगी जाहिर की है।

मोहम्मद सिराज के अंतिम विकेट पर कमेंट्री बॉक्स में क्या हुआ? 'जंगल की आग' की तरह फैला वीडियो

भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ओवल में अंतिम टेस्ट मैच काफी रोमांचक रहा। सीरीज 2-2 पर समाप्त हुई इस मैच की यह करीबी हार इंग्लैंड को सालों तक याद रहेगी। प्लेयर्स ने दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया। कमेंट्री बॉक्स में अलग ही माहौल चल रहा था। वहां तीन लोग मौजूद थे और सिराज द्वारा विकेट लेते ही वहां जश्न चलने लगा। हर्षा भोगले, चेतेश्वर पुजारा और सुनील गावस्कर जैसे नाम कमेंट्री बॉक्स में थे। सिराज को विकेट मिलते ही सुनील गावस्कर खुशी से उछल पड़े और नाचने लगे।

मालेगांव ब्लास्ट केस में दिखाई जाएगी कोर्ट केस की कहानी, जानें कौन है डायरेक्टर और कब आएगी फिल्म?

मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए कोर्ट ने पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल श्रीकांत पुरोहित समेत सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया है। इस केस के फैसले पर राजनीतिक बयानबाजी भी खूब हो रही है। भोपाल में साध्वी प्रज्ञा और पुणे में कर्नल पुरोहित का जोरदार स्वागत किया गया। अब इस घटना और कोर्ट केस पर जल्द ही फिल्म बनने वाली है। प्रोड्यूसर साहिल सेठ ने 'मालेगांव फाइल्स' बनाने का ऐलान किया है। मालेगांव फाइल्स बनाने को लेकर उन्होंने बताया कि इस फिल्म में सच को उसी रूप में पेश किया जाएगा। फिल्म का डायरेक्शन 'माय फ्रेंड गणेशा' जैसी फिल्म से पहचान बनाने वाले निर्देशक राजीव एस रूइया करेंगे।

पीएम मोदी की सांसदों संग अहम बैठक रणनीति और उपराष्ट्रपति चुनाव पर मंथन!

(जीएनएस)।

मानसून सत्र के दौरान सदन में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राजग संसदीय दल की महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करेंगे।

उपराष्ट्रपति के चुनाव से पहले प्रस्तावित इस बैठक को कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है कि बैठक की निर्धारित तिथि पांच अगस्त है, जो पीएम मोदी और भाजपा के सियासी एजेंडे में विशेष महत्व रखती है।

वर्ष 2019 में इसी तारीख को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया था और एक वर्ष बाद 2020 में इसी दिन पीएम मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन का नेतृत्व भी किया था। इसलिए माना जा रहा है कि यह बैठक सिर्फ संसदीय रणनीति तक सीमित नहीं रह सकती है।

हालांकि बैठक के एजेंडा के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है, किंतु भाजपा की ओर से जारी सूचना में कहा गया है कि बैठक मंगलवार की सुबह 9:30 बजे संसद भवन परिसर के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी, जिसमें दोनों सदनों के राजग सदस्यों से मौजूद रहने का आग्रह किया गया है।

बहरहाल, लगभग एक वर्ष बाद राजग संसदीय दल की यह बैठक होने जा रही है। पिछली बार दो जुलाई 2024 को तब हुई थी, जब मोदी तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने के बाद पहली बार राजग सांसदों से मिले थे। इस बार यह बैठक ऐसे वक्त में बुलाई गई है जब दोनों सदनों की कार्यवाही लगभग ठप पड़ी हुई है।

एसआईआर को लेकर विपक्ष का आरोप

ऑपरेशन सिंदूर पर विमर्श के बाद भी बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर विपक्ष लगातार चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाकर हंगामा कर रहा है।

बैठक का दूसरा बड़ा एजेंडा उपराष्ट्रपति का चुनाव हो सकता है। इस पद के लिए सात अगस्त से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है, जो 21 अगस्त तक चलेगी। विपक्ष की ओर से भी प्रत्याशी उतारने की स्थिति में मतदान नौ सितंबर को हो सकता है।

इस बीच राजग को प्रत्याशी की घोषणा करनी है।

ट्रंप ने भारत को फिर धमकाया, बोले- भारत पर लगाऊंगा भारी टैरिफ, बताई नाराजगी की वजह भी

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत को टैरिफ के नाम पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को एक बाद फिर ट्रंप ने भारत को फिर चेतावनी दी है कि वह देश पर लगाए जाने वाले शुल्कों (टैरिफ) में 'काफी हद तक वृद्धि' करेंगे।

ट्रंप ने आरोप लगाया है कि भारत रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीद कर उसे ऊंचे दामों में दूसरे देशों को बेचकर मुनाफा कमा रहा है। इसके साथ ट्रंप ने कहा कि भारत को युक्रेन में हो रही मानव त्रासदी की परवाह नहीं है जहां पर रूसी युद्ध मशीने यूक्रेन के लोगों को मार रही है।

यह बयान यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस से भारत के संबंधों और भारतीय वस्तुओं पर लगे 'हाई यूएस टैरिफ' को मुख्य कारण बता रहा है। ट्रंप का यह नया बयान पिछले सप्ताह की उनकी घोषणा के बाद आया है, जिसमें

उन्होंने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कही थी। उनका तर्क था कि नई दिल्ली अमेरिकी सामानों पर 'उच्च शुल्क' लगाता है और रूसी तेल व सैन्य उत्पाद खरीदता है।

ट्रुथ सोशल पर अपने पोस्ट में, ट्रंप ने साफ तौर पर कहा: "भारत न केवल भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि खरीदे गए अधिकांश तेल को खुले बाजार में बड़े मुनाफे पर बेच रहा है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं कि रूसी युद्ध मशीनरी द्वारा यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं।"

ट्रंप ने आगे लिखा, "इसी वजह से, मैं भारत द्वारा अमेरिका को भुगतान किए जाने वाले टैरिफ को काफी बढ़ा दूंगा। इस मामले पर आपके ध्यान के लिए धन्यवाद!!!" उन्होंने पिछले सप्ताह भारत और रूस को "अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को लेकर एक साथ नीचे चले जाने" की भी बात कही थी।

ट्रंप ने एक अन्य ट्रुथ सोशल पोस्ट में कहा, "हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके टैरिफ बहुत अधिक हैं, दुनिया में सबसे ऊंचे टैरिफ में से एक भारत का टैफिर है।"

मुख्यमंत्री योगी ने टाउनशिप स्कीम को अटल शताब्दी नाम से पूर्व पीएमश्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को समर्पित किया

लखनऊ : (जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को 05 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अनुरूप हमने उत्तर प्रदेश को 01 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाए जाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए यह आवश्यक है कि हम अर्थव्यवस्था में वृद्धि के लिए किए जाने वाले प्रयासों को एक नई गति प्रदान करें। अर्बनाइजेशन इसका एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश के सभी शहरी निकायों, विकास प्राधिकरणों और औद्योगिक प्राधिकरणों को अपने-अपने यहां एक नई टाउनशिप स्कीम को आगे बढ़ाने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई है। इसी के तहत आज मेरठ में साढ़े सात एकड़ से अधिक भूभाग में इण्टीग्रेटेड टाउनशिप स्कीम लॉन्च की जा रही है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद मेरठ में मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन उद्यमी विकास अभियान के अन्तर्गत 675 उद्यमियों को 29 करोड़ रुपये का ऋण, 881 स्वयं सहायता समूहों को 64 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण भी किया। उन्होंने विभिन्न

योजना के अन्तर्गत नवीन टाउनशिप परियोजना का भूमि पूजन/शिलान्यास करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा योजनाओं के लाभार्थियों को आवास की चाभी तथा आयुष्मान कार्ड वितरित किये तथा जैविक खेती के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

सत्येंद्र जैन को मिली जीत, दिल्ली कोर्ट ने आप नेता के खिलाफ चल रहा भ्रष्टाचार केस किया बंद, नहीं मिले सबूत

(जीएनएस)।

दिल्ली आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेता सत्येन्द्र जैन को 4 अगस्त 2025 को बड़ी जीत मिली है। दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येन्द्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला बंद कर दिया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपनी चार साल की लंबी जांच के बाद इस मामले में किसी भी अवैध कमाई का कोई सबूत नहीं पाया था।

राउज एवेन्यू कोर्ट्स के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) डिग विनय सिंह ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार किया। उन्होंने टिप्पणी की कि चार साल की जांच के बाद जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं मिला है, न ही किसी आपराधिक साजिश का कोई संकेत है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि, "प्रस्तुत आरोप और तथ्यात्मक पृष्ठभूमि आगे की जांच या कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि संदेह सबूत की जगह नहीं ले सकता। यह भी ध्यान देने योग्य है कि, किसी पर आरोप लगाने के लिए भी, मात्र संदेह पर्याप्त नहीं है; आगे बढ़ने के लिए कम से कम मजबूत संदेह आवश्यक होगा।"

इन टिप्पणियों के साथ, अदालत ने मामले को बंद करने का आदेश दिया। यह आरोप लगाया गया था कि दिल्ली सरकार में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, जैन ने आउटसोर्सिंग के माध्यम से पीडब्ल्यूडी के लिए 17 सलाहकारों की एक टीम को अनुबंधित करने की मंजूरी दी थी।

यह आरोप था कि इस प्रक्रिया में मानक सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं को दरकिनार किया गया। सतर्कता विभाग की शिकायत के आधार पर, मई 2019 में जैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

हालांकि, चार साल की गहन जांच के बाद, सीबीआई ने पाया कि विभाग की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए पेशेवरों की नियुक्ति आवश्यक थी। एजेंसी ने यह भी निष्कर्ष निकाला कि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और पूरी तरह से प्रतिस्पर्धी थी।

सीबीआई को भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश, अनुचित लाभ या व्यक्तिगत लाभ का कोई सबूत नहीं मिला। क्लोजर रिपोर्ट पर विचार करने के बाद, अदालत ने उसे स्वीकार कर लिया और मामले को पूरी तरह से बंद कर दिया।

बिहार की नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू, स्थानीय युवाओं को मिलेगा लाभ

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षक भर्ती के लिए डोमिसाइल नीति की घोषणा की है, जिससे स्थानीय उम्मीदवारों को प्राथमिकता मिलेगी। इस कदम का उद्देश्य सरकारी नौकरियों में स्थानीय प्रतिनिधित्व की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करना और बिहार के युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

बिहार में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, अपने इस संकल्प को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज एक और बड़ा ऐलान किया है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ा ऐलान करते हुए शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति लागू करने की घोषणा की है। इसके लागू होने के बाद बिहार में अब शिक्षक नियुक्ति

प्रक्रिया में प्रदेश के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के जरिए इसका ऐलान किया है। बिहार में काफी समय से सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग हो रही थी, जिसमें मुख्यमंत्री ने आज पूरा कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं. शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों (डोमिसाइल) को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है।"

अतिवृष्टि : नुकसान की होगी भरपाई, सरकार है आपके साथः सीएम डॉ. यादव

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतिवृष्टि/बाढ़ से जनता को हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। कोई चिंता न करें, सरकार आपके साथ है। प्रत्येक प्रभावित परिवार का सर्वे कराकर क्षतिपूर्ति की जाए। सरकार द्वारा ,डीबीटी प्रणाली, के माध्यम से सहायता राशि सीधे प्रभावितों के खातों में पहुंचाई जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को गुना में बाढ़/अति वर्षा प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के दौरान यह बात कही। उन्होंने जिले के विभिन्न वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा भी की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री ने कैंट क्षेत्र, पटेल नगर में घर-घर जाकर प्रभावित नागरिकों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने न्यू टेकरी रोड स्थित पवन कॉलोनी पहुँचकर वर्षा से प्रभावित परिवारों से भेंट कर हालात जाने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत दिनों हुई भारी वर्षा ने जिले में 32 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिससे अभूतपूर्व स्थिति निर्मित हुई।

ममता दीदी की टीएमसी में बढ़ी दरार, कल्याण बनर्जी ने लोकसभा में मुख्य सचेतक पद से दिया इस्तीफा

(जीएनएस)।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया। उनका यह इस्तीफा आरोपों के बीच आया है कि सांसदों के बीच समन्वय की कमी के लिए उन्हें गलत तरीके से दोषी ठहराया जा रहा था, जबकि उनके अनुसार कुछ सदस्य मुश्किल से संसद सत्रों में भाग लेते हैं।

उनका यह कदम टीएमसी सांसदों की एक वर्चुअल बैठक के कुछ घंटों बाद आया है, जिसकी अध्यक्षता पार्टी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने की। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ममता बनर्जी ने सत्र के दौरान पार्टी की संसदीय टीम के भीतर खराब समन्वय पर गहरी नाराजगी व्यक्त की।

अपने इस्तीफे पर मीडिया से बात करते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा, "मैंने लोकसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया है क्योंकि 'दीदी' (ममता बनर्जी) ने वर्चुअल बैठक में कहा था कि पार्टी सांसदों के बीच समन्वय की कमी है। इसलिए सारा दोष मुझ पर आ गया। नतीजन, मैंने पद छोड़ने का फैसला किया।"

नब्बे के दशक के आखिर से टीएमसी प्रमुख के साथ रहे इस वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, "ममता बनर्जी को पार्टी वैसे ही चलाने दें, जैसे उन्हें ठीक लगे।"

श्रीरामपुर से चार बार के सांसद और एक वरिष्ठ अधिवक्ता बनर्जी ने बताया कि उन्हें अपमानित महसूस हुआ, क्योंकि पार्टी अनुशासनहीनता और खराब उपस्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही थी, बल्कि उन्हें बलि का बकरा बना रही।

सम्पादकीय

यूएस के लिये आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ दांव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वक्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित क्रान्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नई इबारत। आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है। बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूक्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है। वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है। बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यक्ति को सिहासन पर बैठा दिया। यूक्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2द्ब तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गई। अमेरिका की वुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5द्ब की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है।

भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पाटा के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30द्ब, अंगोला पर 15द्ब, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हज्रेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, वंबोडिया पर 19, वैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉव्रे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, स्रबिया पर 35, दक्षिण अप्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, टूनीशिया पर 25, टका पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किंगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

विश्व संस्कृत दिवस के अवसर पर गुजरात में 6 से 8 अगस्त के दौरान संस्कृत गौरव यात्रा, संभाषण दिवस और साहित्य दिवस मनाया जाएगा

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड ने संस्कृत के सर्वांगीण विकास के लिए ,योजना पंचकम्, के अंतर्गत पांच विशिष्ट योजनाएं लागू कीं

संस्कृत संवर्धन सहायता योजना के अंतर्गत संस्कृत के प्रचार हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए संस्थाओं, शोधकताओं और शिक्षकों को मिलेगी वित्तीय सहायता

गांधीनगर, (जीएनएस)। हमारे यहां संस्कृत के बारे में कहा गया है, ,अमृतम् संस्कृतम् मित्र, सरसम् सरलम् वचः। एकता मूलकम् राष्ट्रे, ज्ञान विज्ञान पोषकम्।।, अर्थात, हमारी संस्कृत भाषा सरस भी है, और सरल भी। संस्कृत अपने विचारों, अपने साहित्य के माध्यम से ज्ञान, विज्ञान और राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस उक्ति का उल्लेख करते हुए इस बात पर बल दिया है कि अधिक से अधिक लोग संस्कृत पढ़ें और उसका अध्ययन करें। दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा कही जाने वाली संस्कृत भाषा भारत की ऋषि परंपरा, दर्शन, अध्यात्म और सांस्कृतिक चेतना की जीवंत अभिव्यक्ति है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है, अपितु यह जीवन दृष्टि है, जो मनुष्य के सर्वांगीण विकास में मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है।

उल्लेखनीय है कि भारत में प्रति वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा (रक्षाबंधन पर्व) के दिन संस्कृत दिवस मनाया जाता है और इसके प्रचार-प्रसार के लिए पूरे भारत में संस्कृत सप्ताह मनाया जाता है। इस वर्ष 9 अगस्त को विश्व संस्कृत दिवस है, ऐसे में 6 से 12 अगस्त 2025 के दौरान संस्कृत सप्ताह मनाया जाएगा। गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार द्वारा संस्कृत सप्ताह के अवसर पर तीन दिवसीय विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा।

6 से 8 अगस्त तक संस्कृत गौरव यात्रा, संभाषण दिवस और साहित्य दिवस का आयोजन

वर्ष 1969 में भारत सरकार और संस्कृत संस्थाओं के सहयोग से संस्कृत दिवस मनाने की शुरूआत हुई थी। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना, इसके महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और नई पीढ़ी को इस प्राचीन भाषा के साथ जोड़ना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत संस्कृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की ओर से राज्य में 6 से 8 अगस्त 2025 के दौरान तीन दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। पहले दिन संस्कृत गौरव यात्रा, दूसरे दिन संस्कृत संभाषण दिवस और तीसरे दिन संस्कृत साहित्य दिवस मनाया जाएगा।

संस्कृत गौरव यात्रा का आयोजन जिला एवं राज्य स्तर पर होगा, जिसके अंतर्गत संस्कृत ज्ञान विरासत की झांकियों की प्रदर्शनी, संस्कृत साहित्य कृतियों, संस्कृत गान और नारों के साथ विद्यार्थी, शिक्षक, स्कूल, संस्कृत के विद्वान, कवि और लेखक यात्रा में शामिल होंगे। दूसरे दिन संस्कृत संभाषण दिवस पर मुख्यमंत्री सहित जिला और राज्य स्तर पर अधिकारी एवं मंत्री संस्कृत भाषा में संदेश प्रेषित करेंगे। तीसरे दिन संस्कृत साहित्य दिवस पर पूरे राज्य में विभिन्न स्तरों पर वेद पूजन, व्यास पूजन, ऋषि पूजन, आचार्य पूजन, संस्कृत साहित्य से संबंधित सभाओं और व्याख्यानों का आयोजन कर समाज में संस्कृत साहित्य का गौरव स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा।

संस्कृत संवर्धन के माध्यम से संस्कृति का प्रसार

गुजरात सरकार के ,गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड, की ओर से राज्य में संस्कृत के सर्वांगीण विकास के लिए ,योजना पंचकम्, (पांच योजनाओं का समूह या संग्रह) के अंतर्गत पांच विशिष्ट योजनाएं- संस्कृत सप्ताहोत्सव, संस्कृत संवर्धन सहायता योजना, संस्कृत प्रोत्साहन योजना, श्रीमद् भगवद गीता योजना तथा शत सुभाषित कंठ पाठ योजना लागू की गई हैं।

संस्कृत सप्ताहोत्सव योजना के अंतर्गत पूरे राज्य में उत्साहपूर्वक संस्कृत सप्ताह और दिवस मनाने की पहल की जाएगी। संस्कृत संवर्धन सहायता योजना के अंतर्गत संस्कृत के प्रचार हेतु विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए संस्थाओं, शोधकताओं और शिक्षकों को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

संस्कृत प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत माध्यमिक स्कूलों में संस्कृत विषय के साथ पढ़ाई के लिए विद्यार्थी, शिक्षक और विद्यालयों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। श्रीमद् भगवद गीता योजना के अंतर्गत राज्य के बच्चे-बड़ों, सभी लोगों को ,श्रीमद् भगवद गीता, की मदद से जीवन जीने की सही दिशा पर चिंतन करने और गीता कंठस्थ करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। शत सुभाषित कंठ पाठ योजना के अंतर्गत नैतिक मूल्यों के विकास के लिए 100 सुभाषित कंठस्थ करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

गुजरात राज्य संस्कृत बोर्ड की ओर से शुरू की गई ,योजना पंचकम्, का लक्ष्य संस्कृत भाषा का संरक्षण करना, इसकी लोकप्रियता बढ़ाना और भावी पीढ़ियों को राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ना है।

संस्कृत भाषा को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार प्रतिबद्ध

संस्कृत दिवस मनाने के लिए श्रावण पूर्णिमा का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि प्राचीन भारत में इसी दिन शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होती थी। विद्यार्थी इसी दिन से शास्त्रों का अध्ययन शुरू करते थे। आज भी वेदों का अध्ययन का प्रारंभ श्रावणी पूर्णिमा से होता है। इस दिन को ऋषि-मुनियों की परंपरा और वैदिक ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। संस्कृत दिवस और संस्कृत सप्ताह भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण भाग है। केंद्र और राज्य सरकार आधुनिक समय में टेक्नोलॉजी और शिक्षा के माध्यम से संस्कृत को और अधिक लोकप्रिय एवं सुलभ बनाने के प्रयास कर रही हैं।

बाढ़ आपदा, सीएम मोहन यादव की संवेदनशीलता और तत्परता की ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की सराहना

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में हाल की भारी बारिश और बाढ़ ने कई जिलों में तबाही मचाई, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तत्परता और संवेदनशीलता ने राहत कार्यों को एक नई दिशा दी है। केंद्रीय मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 4 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा, "संकट की इस घड़ी में डॉ. यादव ने जनजीवन की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा।

यह सच्चे नेतृत्व की पहचान है। इस कठिन आपदा की घड़ी में, मैं पूरी संवेदना, समर्पण और संकल्प के साथ अपने सभी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा हूं।" यह खबर मध्य प्रदेश में बाढ़ की स्थिति, राहत कार्यों, और प्रशासन की तत्परता पर विस्तार से प्रकाश डालती है।

बाढ़ की स्थितिः जलवायु परिवर्तन और भारी बारिश का कहर

मध्य प्रदेश में इस मानसून सीजन में सामान्य से 74% अधिक बारिश दर्ज की गई है, जिसने कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा किए। ग्वालियर, छतरपुर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, और टीकमगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया, जहां 4.5 इंच तक बारिश की संभावना है। रायसेन में बेतवा नदी और नर्मदापुरम में नर्मदा नदी उफान पर हैं, जबकि चित्रकूट में मंदाकिनी नदी ने रामघाट की 100 से अधिक दुकानों को जलमग्न कर दिया।

सिंधिया ने बताया कि जलवायु परिवर्तन और भारी वर्षा के कारण सिंध नदी और अन्य जल स्रोतों का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे गुना, शिवपुरी, और अशोकनगर में भारी क्षति हुई। पिछले सप्ताह रायसेन, जबलपुर, रीवा, और सागर संभाग में बाढ़ ने खेत, मंदिर, और पुलों को डुबो दिया था।

मुख्यमंत्री की तत्परताः राहत

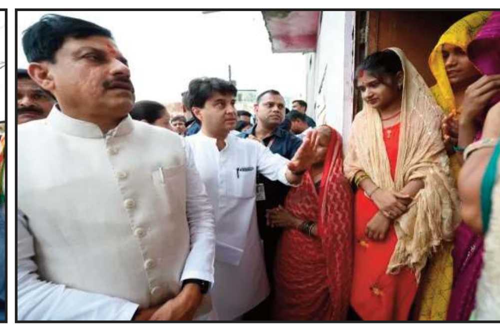

कार्यों में तेजी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाढ़ की स्थिति पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासन को पूरी तरह सक्रिय कर दिया। मुरैना, गुना, शिवपुरी, रीवा, रायसेन, दमोह और अशोकनगर जैसे अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों से लगभग 2,900 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।"

सिंधिया ने बताया कि 27 जुलाई की रात आपदा की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ने गुना, शिवपुरी, और अशोकनगर के कलेक्टरों को तत्काल निर्देश दिए। उन्होंने हर चार घंटे में स्थिति की समीक्षा की और स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

बाढ़ की स्थिति पर उट मोहन यादव ने कहा, 'मैंने मुख्य सचिव और उ्रूद्ध के साथ स्टेट कमांड सेंटर से स्थिति की निगरानी की। हमारे सैनिकों ने बाढ़ के दौरान शानदार काम किया।'" राहत कार्यों में रऊक्र्र्र होमगार्ड, और भारतीय सेना की टीमें तैनात की गईं।

सिंधिया की प्रशंसाः "सच्चे नेतृत्व की पहचान"

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 4 अगस्त 2025 को गुना और शिवपुरी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का मुख्यमंत्री के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, "27 जुलाई की रात मुख्यमंत्री ने सुबह 4 बजे तक लगातार फोन पर स्थिति की निगरानी की। यह उनकी संवेदनशीलता और तत्परता को दशार्ता है।" @JM_Scindia ने ट्वीट किया, "आपदा की उस रात मुख्यमंत्री जी ने हर घंटे हालात की जानकारी ली। यही तो सच्चे नेतृत्व की पहचान है।"

सिंधिया ने जोर देकर कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनहानि को रोकना था, और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासन ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर स्थापित किए गए, और लोगों को भोजन, पानी, और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। @the_hindu ने 31 जुलाई 2025 को बताया कि मध्य प्रदेश में 2,900 लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविरों में पहुंचाया गया।

बाढ़ का सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

बाढ़ और भारी बारिश ने मध्य प्रदेश में भारी तबाही मचाई है। गुना, शिवपुरी, और अशोकनगर में सड़कों, पुलों, और खेतों को नुकसान पहुंचा है। टीकमगढ़ में पूनौल नाले के उफान के कारण झांसी हाईवे पर ट्रैफिक बंद करना पड़ा। रायसेन में सांची-विदिशा मार्ग और महामाया चौक जलमग्न हो गए। स्थानीय किसान रमेश ठाकुर ने कहा, "हमारी धान की फसल बर्बाद हो गई। सरकार को जल्द मुआवजा देना चाहिए।"

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के उफान ने रामघाट की 100 से अधिक दुकानों को जलमग्न कर दिया। @news18.com ने 3 अगस्त 2025 को बताया कि मऊ तहसील के 20 गांवों का संपर्क टूट गया, और लोग नावों के सहारे आवागमन कर रहे हैं। दुकानदार मुन्नी देवी ने कहा, "हमारा सारा सामान बर्बाद हो गया। अब दोबारा दुकान शुरू करने के लिए पैसे कहां से लाएं?"

सियासी प्रतिक्रियाएं

बाढ़ और राहत कार्यों को लेकर सियासी बयानबाजी भी तेज हो गई है। "इखढ सरकार में बाढ़ से एमपी बेहाल। नर्मदा, बेतवा, और चंबल उफान पर, लेकिन राहत कार्य अपर्याप्त।" जवाब में सेना और रऊक्र्र्र तैनात हैं।" सामाजिक कार्यकर्ता रीना शर्मा ने कहा, "हर साल बाढ़ आती है, लेकिन डैम प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में सुधार नहीं होता। सरकार को दीर्घकालिक योजना बनानी चाहिए।"

जलवायु परिवर्तनः बाढ़ का मुख्य कारण

सिंधिया और मौसम विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन को बाढ़ का प्रमुख कारण बताया। @bhÔskÔr.com ने 1 अगस्त 2025 को बताया कि मध्य प्रदेश में इस साल 511 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य 300.7 मिमी से कहीं अधिक है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने कहा, "बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव और ट्रफ लाइन के कारण बारिश का दौर जारी रहेगा।" पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. संजय वर्मा ने सुझाव दिया, "डैम प्रबंधन, नदी तटों की सफाई, और जलवायु-अनुकूल नीतियां अपनानी होंगी।"

मध्य प्रदेश में अन्य आपदाएं

मध्य प्रदेश में बाढ़ के अलावा अन्य आपदाएं भी सुर्खियों में हैं। सागर के देवरी में शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में कोबरा सांपों का आतंक है, जहां 15 दिनों में 25 सांप पकड़े गए हैं। 1,100 छात्राएं दहशत में हैं, और 5 क्लासरूम बंद कर दिए गए हैं। नर्मदापुरम जिला अस्पताल में 2-3 अगस्त की रात साढ़े चार घंटे बिजली गुल रहने से प्रसूताएं और नवजात परेशान रहे।

चुनौतियां और सवाल

यह आपदा कई सवाल खड़े करती है:

डैम प्रबंधनः ओवरफ्लो डैमों से पानी छोड़ने की प्रक्रिया को और पारदर्शी क्यों नहीं बनाया गया?

राहत कार्यों की गतिः क्या सभी प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त राहत सामग्री और चिकित्सा सुविधाएं पहुंच रही हैं?

बुनियादी ढांचाः सड़कों और पुलों की मरम्मत के लिए दीर्घकालिक योजना कब बनेगी?

कृषि नुकसानः बाढ़ से प्रभावित किसानों को मुआवजा कब और कैसे मिलेगा?

'क्रिकेट किसी के लिए नहीं रुकता,' इरफान पठान ने बनाया कोहली को निशाना? भड़के फैन्स ने लगाई क्लास

(जीएनएस)।

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट में टीम इंडिया की करीबी जीत की चारों तरफ तारीफ देखने को मिल रही है। टीम इंडिया के लिए अंतिम विकेट मोहम्मद सिराज ने लिया और हर खिलाड़ी जश्न में डूब गया। इसके साथ ही भारतीय टीम ने इंग्लैंड को सीरीज नहीं जीतने दी और यह 2-2 की बराबरी पर समाप्त हो गई।

ओवल में जीत के बाद क्रिकेट जगत के पूर्व सितारों की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इरफान पठान ने भी मैच को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी लेकिन उन्होंने कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद कोहली के फैन्स भड़क उठे और उनको कमेंट्स में जाकर बुरा-भला कहने लगे।

इरफान पठान ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि इस सीरीज ने एक बार फिर सबको याद दिला दिया, क्रिकेट किसी के लिए नहीं रुकता! अब इरफान पठान ने किसके लिए यह

कहा, इसका पता नहीं चला लेकिन हालिया घटनाक्रमों को देखते हुए इसे कोहली से जोड़ा जा रहा है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने रिटायरमेंट लिया है। कहा जा रहा था कि कोहली और रोहित के नहीं होने से टीम इंडिया कमजोर दिखाई दे रही है लेकिन इंग्लैंड में वैसा कुछ नहीं हुआ। शायद पठान ने भी उसी सन्दर्भ में कहा होगा कि गेम चलता रहता है, किसी प्लेयर के जाने से फर्क नहीं पड़ता।

आईपीएल में जब इरफान पठान को कमेंट्री पैनल से बाहर किया गया था, उस समय भी कोहली और पठान के रिश्तों की बात उठी थी। उस दौरान सामने आया था कि कुछ सीनियरों को कमेंट्री करते हुए पठान ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कड़वी बातें कही थी। आलोचना करने से खिलाड़ी नाखुश हुए थे, उनमें विराट कोहली का नाम भी था। हालांकि इरफान पठान ने कभी इन बातों का कोई जिक्र नहीं किया।

ओवल टेस्ट में टीम इंडिया की जीत के बाद कोहली ने भी एक्स पर प्रतिक्रिया दी। रोहित शर्मा तो ओवल में मुकाबला देखने भी गए थे। कोहली ने लिखा कि टीम इंडिया की शानदार जीत! सिराज और प्रसिद्ध के जज्बे और हिम्मत ने इस शानदार जीत में अहम भूमिका निभाई। खासतौर पर सिराज का जिक्र जरूरी है, वह हमेशा टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक देने को तैयार रहते हैं। उनके लिए बेहद खुशी है।

सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें जिलाधिकारी : एस सिद्धार्थ

(जीएनएस)।

बिहार में हाल ही में हुए शिक्षक तबादलों के परिणामस्वरूप कई सरकारी स्कूल शिक्षक बिना रह गए हैं। शिक्षा विभाग इस संकट से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई का आग्रह कर रहा है।

बिहार में बड़े पैमाने पर शिक्षकों का स्थानांतरण किया गया है. इस वजह से कई ऐसे सरकारी विद्यालय हैं, जो शिक्षक विहीन हो गए हैं। वहां से सभी शिक्षकों ने अपना स्थानांतरण करा लिया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने समीक्षा के क्रम में पाया कि राज्य के कुल 29 विद्यालयों में एक भी शिक्षक कार्यरत्त नहीं हैं। राज्य में कुल 354 ऐसे विद्यालय हैं जहां मात्र एक शिक्षक हैं। शिक्षा विभाग ने जिलाधिकारियों से कहा है कि इन स्कूलों में तत्काल शिक्षकों को प्रतिनियुक्त कर बच्चों की पढ़ाई को

व्यवस्थित किया जाए।

दरअसल राज्य में बड़े पैमाने पर हुए शिक्षकों के स्थानांतरण से राज्य के कई सरकारी विद्यालय बिना शिक्षक के हो गए हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने अपनी समीक्षा में पाया है कि विशेष परिस्थितियों में हुए स्थानांतरण-पदस्थापन की कार्रवाई से कुछ विद्यालय पूरी तरह शिक्षक विहीन हो गए हैं और कतिपय स्कूलों में केवल एक या दो शिक्षक ही रह गए हैं। साथ ही कुछ विद्यालयों में छात्र-शिक्षक का अनुपात भी 40 से अधिक पाया गया है। अपर मुख्य सचिव ने सभी जिला पदाधिकारियों को लिखे अपने पत्र में कहा है कि प्राथमिक विद्यालयों में कम से कम तीन शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए है। साथ ही मध्य विद्यालयों एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की तैनात्ती की जाए। उन्होने जिलाधिकारियों को अपने स्तर से इसकी समीक्षा कर ऐसे स्कूलों में तत्काल अस्थाई प्रतिनियुक्ति के माध्यम से शिक्षक विहीन विद्यालयों या जहां शिक्षक कम हैं, उसमें शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

बेरोजगारी से बिजनेस तक, बांका के युवाओं की प्रेरक उड़ान

बिहार में मुख्यमंत्री की उद्यमी योजनाएं युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं, आर्थिक स्वतंत्रता और स्थानीय विकास को बढ़ावा दे रही हैं।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजनाएं ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार का सृजन कर सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में अहम भूमिका निभा रही हैं। राज्य सरकार के उद्योग विभाग की योजनाओं से जिले के कई युवाओं और महिलाओं ने न केवल अपने लिए रोजगार के अवसर सृजित किए हैं, बल्कि कई अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के द्वार खोले हैं। बांका जिले की ये प्रेरणादायक कहानियां राज्य में उद्यमिता विकास की मजबूत मिसाल पेश कर रही हैं।

बांका के रहने वाले मंतोष कुमार ने रेडीमेड गारमेंट्स का व्यवसाय शुरू किया और 10 लाख रुपये की सहायता से इसे आगे बढ़ाया। आज वे 8 लोगों को सीधा रोजगार दे रहे हैं और 20 परिवारों का नियोजन कर रहे हैं।

उनका टर्नओवर 50 लाख रुपये तक पहुंच चुका है।

इसी तरह मुकेश पहले एक शिक्षित बेरोजगार थे और बच्चों को होम ट्यूशन दिया करते थे। लेकिन मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत उन्हें 9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता मिली, जिससे उन्होंने आइसक्रीम उत्पादन की इकाई स्थापित की। आज वे एक सफल उद्यमी हैं और आठ अन्य लोगों को रोजगार दे रहे हैं। उनकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये हो चुकी है। वे कहते हैं, "अब मैं एक कंपनी का मालिक हूं और इसके लिए उद्योग विभाग का आभारी हूं।"

रंजीत कुमार सिंह ने नोटबुक निर्माण का काम शुरू किया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से प्राप्त 10 लाख रुपये की सहायता से उन्होंने अपनी इकाई स्थापित की और दो परिवारों को नियमित रूप से रोजगार उपलब्ध कराया। उनका टर्नओवर भी 10 लाख रुपये के करीब पहुंच गया है।

महिलाओं में भी इस योजना से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम हो रही है। भाग्यश्री को मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत 10 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने बेकरी उत्पादन की इकाई स्थापित की।

आज वे आठ लोगों को रोजगार दे रही हैं और सात परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रही हैं। इसी तरह, रूबी देवी ने पोहा/चूड़ा उत्पादन के लिए 10 लाख रुपये की सहायता प्राप्त की और अपने व्यवसाय से आठ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया। उनका वार्षिक टर्नओवर 12 लाख रुपये है और पांच परिवारों को वे सीधे तौर पर आजीविका का साधन उपलब्ध करा रही हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

सहरसा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस 6 से 13 अगस्त तक ऐसे यात्रियों की राह बनाएगी आसान, देखें डिटेल

(जीएनएस)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05575/05576 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन सहरसा से 06 एवं 13 अगस्त, 2025 बुधवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 05 एवं 12 अगस्त, 2025 मंगलवार को 02 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

05575 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी 06 एवं 13 अगस्त, 2025 बुधवार को सहरसा से 20.00 बजे प्रस्थान कर गढ़ बरूआरी से 20.22 बजे, सुपौल से 20.47 बजे, सरायगढ़ से 21.45 बजे, निर्मली से 22.02 बजे, घोघरडीहा से 22.15 बजे, झंझारपुर से 22.37 बजे, सकरी से 23.02 बजे, दूसरे दिन दरभंगा से 00.05 बजे, जनकपुर रोड से 00.47 बजे, सीतामढ़ी से 01.35 बजे, बैरगनिया से 02.12 बजे, रक्सौल से 03.20 बजे, नरकटियागंज से 04.30 बजे, बगहा से 05.02 बजे, कप्तानगंज से 08.22 बजे, गोरखपुर से 09.50 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोंडा से 12.15 बजे, सीतापुर से 15.45 बजे, शाहजहाँपुर से 18.00 बजे, बरेली से 19.05 बजे, मुरादाबाद से 21.25 बजे तथा गाजियाबाद से 23.45 बजे छूटकर तीसरे दिन आनन्द विहार टर्मिनल 00.30 बजे पहुँचेगी।

वापसी यात्रा में, 05576 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा विशेष गाड़ी 05 एवं 12 अगस्त, 2025 मंगलवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 05.15 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 05.50 बजे, मुरादाबाद से 08.35 बजे, बरेली से 10.12 बजे, शाहजहाँपुर से 11.22 बजे, सीतापुर से 14.15 बजे, गोंडा से 16.30 बजे, बस्ती से 17.50 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, कप्तानगंज से 20.47 बजे, बगहा से 23.20 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.20 बजे, रक्सौल से 01.15 बजे, बैरगनिया से 02.02 बजे, सीतामढ़ी से 02.45 बजे, जनकपुर रोड से 03.17 बजे, दरभंगा से 05.20 बजे, सकरी से 06.02 बजे, झंझारपुर से 06.27 बजे, घोघरडीहा से 06.47 बजे, निर्मली से 08.05 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे तथा गढ़ बरूआरी से 09.47 बजे छूटकर सहरसा से 10.30 बजे पहुँचेगी।

इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान के 02 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 18 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे पर वाहनों के लिए दहेज तक जाना सरल बनेगा

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भरूच जिले में 400 करोड़ रुपये की लागत से 46 किलोमीटर के मार्ग के फोरलेन और मजबूतीकरण का शिलान्यास किया

भरूच में एक ही दिन में एक साथ 637 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण - शिलान्यास का विकास उत्सव

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं दूरदर्शी नेतृत्व में देश में विकास की राजनीति के माध्यम से देश में बड़ा परिवर्तन आया है - गुजरात के विकास की गति दोगुनी हो गई है: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री:-

- प्रधानमंत्री ने जी.डी.पी.के हर क्षेत्र को सशक्त करने के लिए कदम उठाए हैं
- प्रधानमंत्री के स्वदेशी अपनाने के आह्वान के बाद, वोकल फॉर लोकल का उद्देश्य स्वदेशी-स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना है
- डबल इंजन सरकार के प्रयासों से भरूच-अंकलेश्वर-झघडीया-दहेज का पूरा क्षेत्र इंडस्ट्रियल टाउन्स के रूप में विकसित हुआ है

गांधीनगर, 04 अगस्त :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भरूच जिले में आमोद-रोजा-टंकारिया-मुलेर के 46 किलोमीटर मार्ग का 400 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से फोरलेन और मजबूतीकरण के कार्य का ई-शिलान्यास भरूच में संपन्न करवाया।

इस रोड के फोरलेन होने के परिणामस्वरूप वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे पर वाहनों के लिए भविष्य में दहेज तक जाना सरल होगा और यातायात का भार भी कम हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने भरूच जिला प्रशासन द्वारा आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास विकास उत्सव में एक ही दिन में जिले के नागरिकों को कुल 637 करोड़ रुपये के 34 विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

इन विकास कार्यों में रोड कनेक्टिविटी और मार्ग सुधार कार्य के लिए 576 करोड़ रुपये की लागत के कार्यों का समावेश है। इसके अलावा, भरूच जिले को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तालुका खेल परिसर, स्कूल कक्ष और भूमिगत सीवरेज योजना के कार्यों की भी सौगात दी गई है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि भरूच को मिले इन विकास कार्यों से लोगों को इज ऑफ लिविंग में बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि, मजबूत और दूरदर्शी नेतृत्व मिले तो विकास की राजनीति के माध्यम से किस प्रकार के बड़े विकासशील परिवर्तन लाए जा सकते हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई के नेतृत्व में देश अनुभव कर रहा है।

इस संदर्भ में, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जीडीपी के हर क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कदम उठाए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए वोकल फॉर लोकल के जरिए स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ाने की भी अपील की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में देश में अनेक सुधार हुए हैं और विकास के परिणाम देखकर लोगों का श्री नरेन्द्र मोदी पर विश्वास भी लगातार बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लोग ईमानदारी से टैक्स का भुगतान कर रहे हैं और उन्हें विश्वास है कि इस टैक्स के पैसे का उपयोग देश के विकास के लिए किया जाएगा।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान से आईटी और सेवा क्षेत्रों में विकास की गति तेज हुई है और देश की अर्थव्यवस्था शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तैयार है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के ढाई दशकों के मार्गदर्शक नेतृत्व में गुजरात के विकास की गति दोगुनी हो गई है। डबल इंजन सरकार ने भरूच-अंकलेश्वर-झगड़िया-दहेज का पूरा क्षेत्र इंडस्ट्रियल सिटी और टाउन्स के रूप में विकसित किया है।

इतना ही नहीं, भरूच को देश की केमिकल कैपिटल के रूप में ख्याति प्राप्त है और इस जिले के उद्योग देश के कई राज्यों के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जंबूसर के बल्क ड्रग पार्क, दहेज पी.सी.पी.आई.आर., एल.एन.जी. टर्मिनल, तथा वालिया के ट्राइबल औद्योगिक पार्क और सी फूड पार्क से भरूच के आर्थिक और औद्योगिक विकास को बल मिला है।

पीके ने डोमिसाइल नीति लागू करने पर नीतीश सरकार की मंशा पर उठाए सवाल, कही ये बात

(जीएनएस)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर (ढठ) ने रविवार को बिहार बदलाव यात्रा के तहत कैमूर जिले के चैनपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखे हमले किए। ढठ ने डोमिसाइल नीति को लेकर नीतीश सरकार की मंशा पर सवाल उठाए और इसे चुनावी "छलावा" करार दिया। साथ ही, उन्होंने दो-दो वोटर आईडी कार्ड मामले में तेजस्वी यादव पर तंज कसा।

किसान इंटर कॉलेज मैदान में जुटी भारी भीड़ को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, "डोमिसाइल लागू होना जनता की जीत है। लेकिन सवाल है कि 20 साल में ये काम क्यों नहीं हुआ? अब जब सरकार को लगने लगा है कि जनता बदलाव का मन बना चुकी है, तो बुजुर्गों की पेंशन बढ़ा रहे हैं, डोमिसाइल लागू कर रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता अब इस भ्रम में नहीं आने वाली।"

पीके ने साफ कहा कि यह चुनाव लालू-नीतीश जैसे पुराने चेहरों को हटाने का है और बिहार की जनता अब अपने बच्चों का भविष्य देखकर वोट करने वाली है, न कि किसी नेता का चेहरा देखकर। पत्रकारों के सवालों के जवाब में प्रशांत किशोर ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, "कुछ दिन पहले तेजस्वी कह रहे थे कि उनके पास वोटर आईडी नहीं है, नाम भी कट गया है।

अब चुनाव आयोग बता रहा है कि उनके पास दो-दो वोटर कार्ड हैं। अब ये मामला तेजस्वी और आयोग के बीच का है, लेकिन बिहार की जनता जानना चाहती है कि उनके बच्चों की पढ़ाई कब सुधरेगी, पलायन कब रुकेगा।"

जनता से अपील: "बच्चों का चेहरा देखकर वोट करिए"

जनसभा में पीके ने भावुक अपील करते हुए कहा, "इस बार वोट देते वक्त नेता का चेहरा नहीं, अपने बच्चों का चेहरा याद रखिए। जिन नेताओं ने आपको और आपके बच्चों को लूटा है - चाहे वे लालू हों, नीतीश हों या मोदी - उन सभी को इस बार मौका मत दीजिए।"

पीके ने यह भी कहा कि इस साल बिहार की बदहाली की "आखिरी दिवाली और छठ" होगी।

मोहम्मद सिराज से प्रसिद्ध कृष्णा तक, भारत-इंग्लैंड सीरीज में सर्वाधिक विकेट वाले 5 गेंदबाज

(जीएनएस)। लंदन के ओवल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया अंतिम मैच पांचवें दिन के पहले सेशन में बेहद रोमांचक अंदाज में समाप्त हुआ। दोनों टीमों की तरफ से जोर लगाया गया और अंततः टीम इंडिया ने जीत दर्ज करते हुए इंग्लैंड का सपना तोड़ दिया। टीम इंडिया ने सीरीज 2-2 पर ड्रॉ करा दी। शुभमन गिल की कप्तानी में पहली सीरीज सफल रही।

टीम इंडिया के गेंदबाजों ने इस सीरीज में अपना पूरा दमखम लगाते हुए इंग्लिश बल्लेबाजों के नाक में दम करते रहे। दोनों टीमों की तरफ से कुछ गेंदबाज अपना बेस्ट देने का प्रयास करते हुए आगे बढ़े। इनमें से टॉप पांच गेंदबाजों के बारे में आपको जानना चाहिए।

मोहम्मद सिराजः मियां मैजिक करने वाले मोहम्मद सिराज इस सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह इस लिस्ट में टॉप पर हैं। सिराज ने 5 मैचों में कुल 23 विकेट अपने नाम किये। इस दौरान उन्होंने दो मौकों पर पंजा मारा। एक बार चार विकेट झटके। सिराज ने ओवल टेस्ट में अंतिम पारी के दौरान पंजा मारकर भारत को जीत दिलाई।

जोश टंगः दूसरे स्थान पर मौजूद इस इंग्लिश गेंदबाज ने पूरे मैच नहीं खेले। वह महज तीन टेस्ट मैचों में खेलने के लिए उतरे थे लेकिन टॉप दो में अपना नाम दर्ज करा लिया। जोश टंग ने 3 मैचों में 19 विकेट अपने नाम किये। एक बार 5 और एक बार 4 विकेट झटके।

बेन स्टोक्सः इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इस खास सूची में तीसरे स्थान पर हैं। बेन स्टोक्स ने कुल 4 मैचों में 17 विकेट हासिल किये। वह पांचवें टेस्ट से बाहर थे और इंग्लैंड को इसमें हार का सामना करना पड़ा। स्टोक्स ने एक बार पंजा मारा और एक मौके पर 4 विकेट झटके।

जसप्रीत बुमराहः भारतीय टीम के तूफानी गेंदबाज बुमराह ने इस सीरीज में महज 3 ही मुकाबले खेले थे। इन तीन मैचों में वह 14 विकेट लेने में सफल रहे और इस लिस्ट में चौथा स्थान हासिल किया। बुमराह ने दो बार पंजा मारा था। मजेदार बात तो यह है कि जिन दो मैचों में वह नहीं खेले थे, उनमें ही भारत ने जीत दर्ज की।

प्रसिद्ध कृष्णाः भारत के इस तेज गेंदबाज ने टीम का अच्छा सहयोग किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने धमाकेदार अंदाज में खेलते हुए ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 4 विकेट लेकर इंग्लैंड की हार तय कर दी। उन्होंने 3 मैच खेलते हुए इस सीरीज में कुल 14 विकेट झटके।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने धोलेरा-भावनगर कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट पर भरी सभा में नक्शा निकाल त्वरित निर्णय लिया

भावनगर के दौरे पर आए, केंद्रीय रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव जी ने महत्वपूर्ण धोलेरा-भावनगर रेल कनेक्टिविटी परियोजना पर चर्चा की।

माननीय मंत्रिजी जो अपने व्यावहारिक दृष्टिकोण और दक्षता के लिए जाने जाते हैं, ने संवाद के दौरान मौके पर ही नक्शा निकाल कर देखा तथा वहीं और उसी समय परियोजना को अंतिम रूप दे दिया, जो तत्परता और प्रतिबद्धता का एक अभूतपूर्व स्तर दर्शाता है।

मंत्री जी का यह त्वरित निर्णय धोलेरा-भावनगर कनेक्टिविटी परियोजना की उनकी तत्काल समीक्षा और 'विकसित भारत' के लिए महत्वपूर्ण विकास पहलों में तेजी लाने के प्रति समर्पण को रेखांकित करता है।

धोलेरा और भावनगर के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, इसकी

लॉजिस्टिक दक्षता और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाने के सरकार के संकल्प के बारे में एक मजबूत संदेश देता है।

- विकसित भारत संवादः भावनगर के मुद्दों और विकास पर चर्चा

विकसित भारत संवाद के तहत भावनगर के स्थानीय उद्योगपतियों और नागरिकों ने मंत्री जी के साथ शहर की समस्याओं और बुनियादी ढांचे की जरूरतों पर चर्चा की।

FTR (फ्री ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव) से जुड़े एक सवाल के जवाब में मंत्रीजी ने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऋफसे संबंधित कोई समस्या नहीं होगी।

उन्होंने भावनगर में एक कंटेनर पोर्ट के विकास की भी घोषणा की, जो क्षेत्र के विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जब भावनगर में STPI (सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया) के माध्यम से एक आईटी पार्क स्थापित करने की मांग उठाई गई, तो मंत्री ने तुरंत संबंधित अधिकारी से फोन पर बात की और इस सुविधा को मंजूरी दिलाने के लिए सकारात्मक रुख अपनाया।

संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान की स्मारिका का महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार द्वारा विमोचन

मुंबई, 4 अगस्त। स्कूली विद्यार्थियों को नैतिक जीवन एवं चरित्र निर्माण का पाठ पढ़ाने वाली देश की प्रमुख सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था "संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान" की नव प्रकाशित स्मारिका का विमोचन रविवार, 3 अगस्त, 2025 की शाम आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार द्वारा अन्य अतिथियों के साथ किया गया।

महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित स्मारिका के विमोचन समारोह को सम्बोधित करते हुए तथा मंच पर विभिन्न अतिथियों के साथ स्मारिका का विमोचन करते हुए।

यह भव्य समारोह मुंबई के प्रभादेवी स्थित यशवंत भवन सभागार में बड़ी संख्या में आये शिक्षकों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस समारोह में सुप्रसिद्ध उद्योगपति डॉ. अजीत गुंजीकर, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री गोविंद शेंडे, मुंबई क्षेत्र के धर्म पुंज विभाग प्रमुख संजय मुद्राळे, प्रतिष्ठान के संस्थापक न्यासी मोहन सालेकर सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए श्री आशीष शेलार ने कहा कि आज नाबालिगों में आपराधिक प्रवृत्ति, नशाखोरी, बड़ों के प्रति अनादर, मन की चंचलता के अलावा संयम और सहनशीलता की कमी प्रबल रूप से देखी जा रही है। दूसरी ओर, हमारी पारिवारिक व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही है तथा आज के स्कूल केवल परीक्षार्थी पैदा करने वाले कारखाने बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में बच्चों के मन में अच्छे संस्कार कौन सींचेगा ? उन्होंने कहा कि "संस्कृति संवर्धन प्रतिष्ठान" द्वारा हमारे प्राचीन ग्रंथों की कहानियों की मदद से स्कूली छात्रों को जीवन के नैतिक सबक प्रदान करके इस समस्या का समाधान करने के सफल प्रयासों का मैं तहे दिल से स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल संचालकों और समाज के संवेदनशील लोगों को इस प्रतिष्ठान द्वारा किये जा रहे राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण कार्यों का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संस्था ने अपना कार्य पूरी लगन और ईमानदारी से जारी रखा है। अब इस कार्य को सुदृढ़ करने की ज़िम्मेदारी महाराष्ट्र सरकार की है और मैं आने वाले दिनों में उस ज़िम्मेदारी को अवश्य पूरा करूंगा। उन्होंने यह भी ठोस आश्वासन दिया कि वे इस पहल को सरकारी स्तर पर सभी स्कूलों तक पहुँचाने का कार्य सुनिश्चित करेंगे। प्रतिष्ठान के समन्वयक गौरव कुलकर्णी ने विभिन्न पहलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिष्ठान पिछले 22 वर्षों से स्कूली विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों की शिक्षा देने का काम कर रहा है। इसके अंतर्गत कक्षा 4 से 8 तक के विद्यार्थियों को रामायण, महाभारत, संतों की कहानियों और क्रांतिकारियों के जीवन-चरित्रों के आधार पर नैतिक मूल्यों की शिक्षा देने का प्रयास निरंतर किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिष्ठान की जीवन शिक्षण परियोजना देश के 23 राज्यों में कार्यरत है। इस वर्ष महाराष्ट्र के चौदह सौ विद्यालयों के एक लाख पचास हजार विद्यार्थी इस पहल में शामिल हुए हैं और हाल ही में गोवा सरकार ने अपने सभी विद्यालयों में यह पहल शुरू करने की स्वीकृति दी है। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के वरिष्ठ सेवादार दत्ताराम नाईक, अलका गोडबोले, हरबाला शाहा, अविनाश जोशी, शशिकांत देसाई आदि को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही निधि संग्रह में अग्रणी रहीं बीना रेगे, राजश्री माने, कल्पना गायकवाड, शिवानी सरदेसाई, प्राची उपासनी आदि को विशिष्ट अतिथि डॉ. अजीत गुंजीकर ने विविध उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. अजीत गुंजीकर और गोविंदराव शेंडे ने समयानुकूल मुद्दों पर सम्बोधित किया। समारोह की शुरूआत में निनाद कला पथक के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। समारोह का कुशल मंच संचालन शीतल निकम ने किया, जबकि अतिथियों के स्वागत और परिचय दायित्व का निर्वाह श्रीमती नम्रता पुंडे द्वारा बखूबी सुनिश्चित किया गया। प्रारम्भ में प्रतिष्ठान के संस्थापक न्यासी मोहन सालेकर ने सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ, तुलसी का पौधा और दुशाला भेंट कर उनका स्वागत किया।

कौन थे राजस्थान के मेजर शैतान सिंह, जिनकी वीरता पर बन रही है फरहान अख्तर की फिल्म ,120 बहादुर,?

(जीएनएस)। 18 नवंबर 1962 की सुबह, लद्दाख के बर्फीले रेजांग ला पास पर भारतीय सेना के केवल 120 जवानों ने चीन की लगभग 3000 सैनिकों की विशाल फौज का डटकर सामना किया था। हर ओर मौत बिछी थी, लेकिन भारतीय सैनिक पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे थे। क्योंकि उनके साथ एक ऐसा कमांडर था, जिसने अपने जवानों को सिर्फ लड़ना नहीं, मरते दम तक लड़ना सिखाया था। उनका नाम था मेजर शैतान सिंह भाटी। एक ऐसा योद्धा, जिसने आखिरी सांस तक बंदूक नहीं छोड़ी।

अब भारतीय सेना के इस अद्वितीय शौर्य और बलिदान की अमर कहानी को बड़े पर्दे पर उतारा जा रहा है फिल्म '120 बहादुर' के माध्यम से, जिसमें फरहान अख्तर मेजर शैतान सिंह की भूमिका निभा रहे हैं। यह सिर्फ एक युद्ध फिल्म नहीं, बल्कि उन 120 वीरों की श्रद्धांजलि है, जिन्होंने रेजांग ला को युद्धभूमि से भारत माता की वीरता की धरती बना दिया।

मेजर शैतान सिंह पर बन रही फिल्म को लेकर दिया गया फरहान अख्तर का हाल ही का इंटरव्यू खूब वायरल हो रहा है, जिसमें फरहान अख्तर कह रहे हैं कि उन्होंने "मेजर शैतान सिंह के रोल के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से भी गहन तैयारी की है।" मेजर शैतान सिंह की बायोपिक '120 बहादुर' में एक्टर के साथ-साथ प्रोड्यूसर की भूमिका में भी फरहान अख्तर नजर आएंगे। फिल्म के डायरेक्टर रजनीश घई हैं, जो खुद आर्मी बैकग्राउंड फैमिली से हैं। फिल्म '120 बहादुर' 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजस्थान के जोधपुर जिले के बनासर गांव में 1 दिसंबर 1924 को जन्मे मेजर शैतान सिंह भाटी न केवल एक वीर सैनिक थे, बल्कि भारतीय सैन्य इतिहास में सर्वोच्च बलिदान और असाधारण नेतृत्व का प्रतीक बन गए। सैन्य पृष्ठभूमि वाले परिवार में जन्मे मेजर शैतान सिंह के पिता लेफ्टिनेंट कर्नल हेम सिंह भाटी प्रथम विश्व युद्ध में फ्रांस में लड़े थे और 'ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' से सम्मानित हुए थे।

राहुल गांधी पर न्यायालय की सख्त टिप्पणी, भारत विरोधी मानसिकता पर कोर्ट की सुप्रीम मुहरः महेंद्र भट्ट

(जीएनएस)। उत्तराखंड भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर न्यायालय की सख्त टिप्पणी को, राहुल की भारत विरोधी मानसिकता पर कोर्ट की सुप्रीम मुहर बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने आरोप लगाया कि कांग्रेस समेत विपक्षी नेताओं के बयान अक्सर सेनाओं का मनोबल गिराने वाले होते हैं।

उन्होंने कहा, चीन को लेकर राहुल की विवादित टिप्पणी को लेकर आज जो सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वो भाजपा और देश की जनता लगातार कहती आ रही है। न्यायालय की यह नाराजगी कि बिना किसी तथ्य और सबूत के कोई कैसे चीन द्वारा हजारों एकड़ जमीन हड़पने की देशविरोधी बात कह सकता है, वो भी नेता प्रतिपक्ष द्वारा।

उन्होंने तंज किया, कोर्ट ने तो फटकार लगाई है कि अगर वे सच्चे भारतीय होते तो ऐसी टिप्पणी नहीं करते। लेकिन देश की जनता और भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से मानती है कि कांग्रेस नेता के लिए देश बढ़कर राजनीति है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त किया कि राहुल और कांग्रेस नेताओं के बयान अक्सर सेना को

तैयारी के लिए नुकसानदेह, और मनोबल गिराने वाली होती है। भाजपा बार बार उनसे इस तरह के निराधार बयान न देने की अपील करते रहे हैं, लेकिन उनके लिए मोदी प्राथमिकता में रहता है।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी पर खुशी जताते हुए कहा, इस सीधी फटकार के बाद उन्हें एक भारतीय होने के नाते ऐसे बयानों और कृत्यों से बचना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, राहुल गांधी की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। हम तो पहले से जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी के नेता के तौर पर वह कितने परिपक्व हैं? और यह पहली बार भी नहीं है जब राहुल गांधी ने भारत विरोधी मानसिकता दिखाई हो। लेकिन देश की जनता उनके ऐसे बयानों पर नहीं, बल्कि भारतीय सेना और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी पर करते हैं।

पीडीए समर्थित कावडं यात्रीओ का वाराणसी मे भव्य स्वागत।

(जीएनएस)। वाराणसी 4 अगस्त सपा संरक्षक स्व० मुलायम सिंह यादव के स्मृति मे पीडीए समर्थित सपा कार्यकर्ताओ का जत्था कावडं यात्रा हरिद्वार से निकलकर शनिवार को काशी पहुंचा। कावडं यात्रा का नेतृत्व कर रहे सपा कार्यकर्ता गौरव यादव का हरिद्वार से नंगे पांव पैदल चलकर जल अर्पित करने वाले दस सदस्यीय जत्थे का वाराणसी सीमा पर पहुंचने पर सपा जिलाध्यक्ष सुजित यादव लक्कड एवं सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा विश्वकर्मा के नेतृत्व मे आगवानी कर स्वागत अभिनंदन किया गया। सोमवार को नगर मे प्रातः बाबा धाम मे जल अर्पित करने के लिए निकले कावडं यात्रीओ का बांसफटक पहुंचने पर सपा नेता लक्ष्मीकांत कांत मिश्रा उर्फ किशमिश गुरू एवं महानगर महासचिव योगेंद्र यादव के नेतृत्व मे सपा नेताओ ने पीडीए समर्थित कावडं यात्रीओ का माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं मैगो जूस पिलाया। दस सदस्यीय कावडं यात्रा पिछले पांच जुलाई हरिद्वार से जल लेकर नंगे पांव निकले सपा कार्यकर्ता गौरव यादव हरिद्वार से बिजनौर होते हुए मुरादाबाद बरेली हरदोई लखनऊ सुल्तानपुर जौनपुर होते हुए लगातार उनतीस दिन से चलकर शनिवार को काशी पहुंचा। स्वागत करने वालो मे प्रमुख रूप से सपा नेता लक्ष्मीकांत कांत मिश्रा उर्फ किशमिश गुरू पूर्व मंत्री मनोज राय धुपचंडी सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा विश्वकर्मा महानगर महासचिव योगेंद्र यादव प्रदेश सचिव राजू यादव विकास यादव एडवोकेट बच्चा अनिल साहू अमन यादव रवि जैन बबलू तिवारी गोविंद यादव बाबू यादव आदि लोग उपस्थित थे।

श्रावण सोमवार को संकल्प संस्था द्वारा रुद्राभिषेक का आयोजन शिव भक्तों ने की वैश्विक शांति की कामना।

(जीएनएस)। वाराणसी वैश्विक शांति सद्भाव और जनकल्याण की कामना के साथ संकल्प संस्था द्वारा श्रावण मास के पवित्र सोमवार को दिव्य रुद्राभिषेक अनुष्ठान का आयोजन संस्था के पंजीकृत कार्यालय पार्वतीपुरी कॉलोनी कमच्छा गुरुबाग में किया गया। शिवभक्तों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति में यह धार्मिक आयोजन अत्यंत श्रद्धा आस्था और विधिपूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्था के संरक्षक अनिल कुमार जैन ने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से न केवल आत्मिक शांति प्राप्त होती है बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा और समरसता का संचार भी होता है। ऐसे आयोजनों से आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है जो समाज को एक नई दिशा देने में सहायक है। पंडित मून गुरु महाराज के आचार्यत्व में सम्पन्न इस रुद्राभिषेक में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दूध दही घी शहद गंगाजल बेलपत्र भस्म और पुष्प आदि से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। यह अनुष्ठान ही आयोजन को गरिमा प्रदान करता है जिसमें श्रद्धा विधिविधान और शुद्धता का पूर्ण समावेश था। उपस्थित भक्तों ने मंत्रजप ध्यान और आरती के माध्यम से प्रभु की आराधना की जिससे पूरे वातावरण में दिव्यता और शांति की अनुभूति हुई।

इस अवसर पर श्रीमती गीता जैन श्रीमती संध्या जैन लव अग्रवाल श्रीमती वंदना अग्रवाल डॉ. हर्षित जैन डॉ. आंचल अग्रवाल जैन अनाया गीतिका शुभम सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सनातन सद्भावना संकल्प यात्रा का भव्य और सफल शुभारंभ प्रयागराज से बरौत तक

(जीएनएस)। ब्रह्मराष्ट्र एकम् विश्व महासंघ ट्रस्ट द्वारा आयोजित सनातन सद्भावना संकल्प यात्रा का प्रथम

दिवस आस्था उत्साह और समरसता की अद्भुत छवि बनाकर संपन्न हुआ। यात्रा का शुभारंभ प्रयागराज की पावन भूमि से हुआ जो झूंसी अंदावा हनुमानगंज सैदाबाद हंडिया होते हुए बरौत तक पहुँची।

प्रकृति की असीम कृपा और भगवती शक्तियों के आशीर्वाद से यात्रा का प्रथम दिन अत्यंत मंगलमय रहा जहाँ जनसैलाब ने स्वागत की गरिमा को और ऊँचा कर दिया।

जन जन ने बढ़ाए कदम किया अभिनंदन पूरे मार्ग पर स्थानीय नागरिकों युवा समूहों मातृशक्ति और संत समुदाय ने धार्मिक जयघोष पुष्पवर्षा शंखनाद और आरती से यात्रा का भव्य स्वागत किया।

यात्रा में गूंजता रहा उद्घोषः

जाति पाति के भ्रम को तोड़ो

सनातन एकता से नाता जोड़ो।

हम जो अनेक हैं वो सब एक हैं।

बरौत में प्रथम पड़ावझ तुलसी भवन सत्यमेव जयते परिसर

यात्रा का प्रथम पड़ाव बरौत में स्थित श्री श्याम धार त्रिपाठी सेवानिवृत्त जी एस टी अधिकारी के तुलसी भवन सत्यमेव जयते परिसर में संपन्न हुआ। जहाँ यात्रियों का गरिमापूर्ण विश्राम और सत्संग सम्पन्न हुआ।

स्वागत करने वाले प्रमुख जनों में रहेः डॉ. पंकज त्रिपाठी बुलबुल आशीष मिश्रा डॉ. राजेश गोस्वामी सुजीत शुक्ल निशा पांडेय अभिषेक पांडेय पार्थ रोमूल अर्चना शुक्ल पवित्र अवधेश सुमन शुक्ल शैल कुमारी अंशुल मिश्रा सहित अनेक धार्मिक संत महंत स्थानीय व्यापारी बंधु प्रतिष्ठित सेठ समाजसेवी और क्षेत्रीय नागरिकों ने पूरे श्रद्धा और भावनात्मक उत्साह के साथ यात्रा का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सनातन धर्म का पुनर्जागरण

यह यात्रा केवल पगों की नहीं पावन विचारों की यात्रा हैः

जहाँ धर्म संस्कृति और राष्ट्रीय एकता एक साथ चल रही है।

जाति पाति वर्ग भाषा और भेदभाव से ऊपर उठकर यह यात्रा सनातन संस्कृति की अखंड ज्योति बन रही है।

ब्रह्मराष्ट्र एकम् विश्व महासंघ ट्रस्ट सभी धर्मप्रेमियों संतजनों युवा शक्ति और राष्ट्रसेवकों से निवेदन करता है कि वे इस अद्वितीय यज्ञ में सहभागी बनें

और भारत को धर्मराष्ट्र से विश्वराष्ट्रझ बनाने में योगदान दें।

सपा नेताओ ने सावन कै अंतिम सोमवार पर विशाल भंडारा का आयोजन किया।

सपा नेताओ ने भंडारा का आयोजन कर बीस हजार से ज्यादा कावडं यात्रीओ एवं शिव भक्तो मे बॉटा प्रसाद।

(जीएनएस)। वाराणसी 4 अगस्त श्रावण मास के अंतिम सोमवार को सपा नेताओ ने विशाल भंडारा का आयोजन कर कावडं यात्रीओ एवं शिवभक्तो को पुडी सब्जी और लड्डू का बुदियॉ का विशाल भंडारा का आयोजन किया। सपा नेता लक्ष्मीकांत कांत मिश्रा उर्फ किशमिश गुरू के नेतृत्व मे अपने निवास स्थान के समीप बांसफटक पर प्रति वर्ष की भॉती इस वर्ष भी अपने पुत्र आदेश मिश्रा,आदित्य मिश्रा पुत्री अदिती मिश्रा के जुटाए गए गुल्लक के पैसे से श्रावण मास मे प्रत्येक सोमवार को कावडं यात्रीओ एवं शिवभक्तो मे विभिन्न तरह के फलाहार के साथ साथ तरह तरह के व्यंजन वितरण करते है। आज विशाल भंडारा मे टीवी 9 के डायरेक्टर एवं वरिष्ठ लोकप्रिय पत्रकार हेमंत शर्मा उपस्थित रहे एवं भोर से प्रायः दस बजे तक वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा स्वयं श्रद्धालुओ एवं शिव भक्तो को भंडारा का प्रसाद पुडी सब्जी चटनी और लड्डू का बुदियॉ वितरीत किया। प्रसाद वितरण करने वालो मे प्रमुख रूप से टीवी 9 के डायरेक्टर एवं लोकप्रिय पत्रकार हेमंत शर्मा सपा नेता लक्ष्मीकांत कांत मिश्रा उर्फ किशमिश गुरू सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा विश्वकर्मा कैन्ट विधान सभा के पूर्व अध्यक्ष दिलीप कश्यप कमलेश चौबे राहुल यादव पूर्व पार्षद विजय यादव विज्जू भैयालाल यादव महेश यादव पार्षद प्रमोद राय कमल तिवारी बबलू यादव अनुप मालवीय महेश पुरोहित रवि जैन बसंत गुप्ता आदेश मिश्राआदित्य मिश्रा आदि लोग मौजूद थे।

बनारस के बिजलिकर्मियो ने बिजली के निजीकरण विरोध एवं बिना संसाधन उपलब्ध कराये फेसिअल अटेंडेंस को बाध्यकारी बनाकर वेतन रोकने के विरोध में प्रबन्ध निदेशक कार्यालय भिखारीपुर पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया।

(जीएनएस)। वाराणासी 4अगस्त विधुत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उ0प्र0 के बैनर तले आज बनारस के बिजलिकर्मियो ने बिजली के निजीकरण विरोध एवं बिना संसाधन उपलब्ध कराये फेसिअल अटेंडेंस को बाध्यकारी बनाकर वेतन रोकने के विरोध में प्रबन्ध निदेशक कार्यालय भिखारीपुर पर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि निजीकरण और उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों के वापस होने तक जारी रहेगा बिजलिकर्मियो का संघर्ष।

संघर्ष समिति के वक्ताओ ने बताया कि प्रबन्ध निदेशक महोदय को भ्रम है कि बिजलीकर्मी फेसिअल अटेंडेंस का विरोध कर रहे है क्योंकि बिजलकर्मी अपने कार्यालयों में समय से जा ही रहे है उसका विरोध नही कर रहे है बल्कि उसके संचालन हेतु संशाधन जैसे फेसियल अटेंडेंस लगाने हेतु मोबाईल या कैमेरायुक्त कम्प्यूटर कार्यालयों में लगाने की मांग कर रहे है क्या संशाधन की व्यवस्था करना प्रबन्धन की जिम्मेदारी नही है? साथ ही प्रबन्धन से पूछ रहे है कि क्या फील्ड में कार्यरत बिजलकर्मी सुबह 10बजे से 5 बजे तक का फेसिअल अटेंडेंस लगा दे तो शाम 5 बजे के बाद बन्द होने वाली लाइन का अनुरक्षण कौन करेगा क्या ब्रेकडाउन होने पर किसी सहायक अभियंता अवर अभियंता और लाइनमैन को शाम 5 बजे के बाद नही बुलाया जाएगा? क्या इन बातों हेतु अश्वासन पत्र पुर्वांचल के प्रबन्ध निदेशक जारी करेंगे?

वक्ताओ ने बताया कि 20 जून 2025 को प्रबन्ध निदेशक पुर्वांचल से संघर्ष समिति वाराणासी के पदाधिकारियों की वार्ता में यह तय हुआ था कि जब तक विधुत कार्यालयों और उपकेंद्रों पर संशाधन उपलब्ध नही कराया जाता तब तक फेसियल अटेंडेंस को बाध्यकारी नही बनाया जाएगा फिर भी वेतन रोकना कतई उचित नही है।

सभा को संबोधित करते हुये वक्ताओ ने कहा कि शीर्ष प्रबन्धन की निजी घरानों के साथ मिलीभगत है और आठ माह से निजीकरण न कर पाने के कारण हताश प्रबंधन बिजली कर्मियों का लगातार उत्पीड़न कर रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि उत्पीड़न का उद्देश्य बिजली कर्मियों का मनोबल तोड़ना है किंतु बिजली कर्मी किसी कीमत पर निजीकरण स्वीकार नहीं करेंगे।

उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां समाप्त कराने हेतु संघर्ष समिति की मांग है कि मार्च 2023 की हड़ताल के बाद ऊर्जा मंत्री द्वारा समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियों के वापस लिये जाने के निर्देश के अनुपालन में समस्त उत्पीड़नात्मक कार्यवाहियां वापस ली जाय।

निजीकरण के नाम पर 55 साल की उम्र और डाउन साइजिंग के नाम पर हटाये गये सभी संविदा कर्मी बहाल किये जाय।

उत्पीड़न की दृष्टि से बिजली कर्मियों के किये गये सभी ट्रांसफर निरस्त किये जाय।

फेसियल अटेंडेंस के नाम पर जून और जुलाई माह का रोका गया वेतन तत्काल बिजली कर्मियों को दिया जाय।

रियायती बिजली की सुविधा समाप्त करने की दृष्टि से धमकी देकर जोर जबरदस्ती से स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही तत्काल बन्द की जाय।

सभा की अध्यक्षता ई0 आर0बी0यादव ने एवं संचालन अंकुर पाण्डेय ने किया।

सभा को सर्वश्री ई0 राजेन्द्र सिंह ई0 एस0के0सिंह ई0पंकज जैसवाल वेदप्रकाश राय रविन्द्र यादव रामकुमार झा राजेश सिंह हेमंत श्रीवास्तव संदीप सिंह प्रदीप कुमार पंकज जैसवाल ई0दीपक गुप्ता मनोज यादव मनोज जैसवाल अनिल कुमार प्रमोद कुमार उमेश यादव पंकज उदयभान दुबे आदि ने संबोधित किया।

6 सेन्सस मल्टीक्यूजीन रेस्टोरेन्ट का भव्य उद्घाटन संपन्न

(जीएनएस)। वाराणसी आज 6 सेन्सस मल्टीक्यूजीन रेस्टोरेन्ट का भव्य उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस अवसर पर बात

करते हुए रेस्टोरेन्ट के डायरेक्टर अनूप सिंह बब्बू ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि यह रेस्टोरेन्ट नब्बे हजार वर्ग फिट में विभिन्न सुविधाओं के साथ है इस रेस्टोरेन्ट में एक ही छत के नीचे ग्राहकों के लिए मल्टीक्यूजीन रेस्टोरेन्ट स्वीमिंग पूल विद डाईनिंग ग्रीन गार्डेन पब और बच्चों के लिए इनडोर गेम्स की सुविधाएँ उपलब्ध है साथ ही कैम्पस में काफी बड़ा पार्किंग स्पेस भी उपलब्ध है और भविष्य में इसमें और भी कई प्रकार की सुविधाएँ ग्राहकों के लिए उपलब्ध कराने की योजना है।

उन्होंने आगे बताया की बनारस में हम लोगों ने यह रेस्टोरेंट बिल्कुल अलग बनाया है यहां पर हम लोगों ने फैसिलिटी बहुत ज्यादा रख दिया गया है और यहां पर हम लोगों नें फूड की क्वालिटी पर फूड की सर्विस पर फैमिली के लिए स्पेशल फोकस किया गया है। यहां पर फैमिली के लिए फुल इंजॉय का स्पेस मिलेगा और यहां पर तीन चार गार्डन भी बनाया गया है और पार्किंग की अलग फैसिलिटी दी गई है और बच्चों के लिए अलग जोन बनाया गया है। हम सभी ने काफी मेहनत किया है और हमारी कोशिश है की बनारस को कुछ अलग दिया जाए।

उन्होंने आगे बताया कि यहां पर हम लोगों ने सिक्योरिटी पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया है और खास करके फैमिली की सिक्योरिटी के लिए हम सभी ने बहुत ज्यादा ध्यान दिया हुआ है। और हम लोगों ने यहां पर पेड़ पौधों पर भी काफी ध्यान दिया है और मैं काशी वासियों से बस यही अपील करना चाहता हूं की एक बार इस अनोखे रेस्टोरेंट में जरूर पधारे और हम सबको सेवा करने का अवसर जरूर दे।

सीबीएसई क्लस्टर कवॉलीबॉल बालक का एक सुंदर समापन हुआ

(जीएनएस)। हापुड खेल, मित्रता और सपनों का चार दिवसीय उत्सव आज जे.एम.एस. के लॉन में एक सुंदर छाया चित्र में परिणत हुआ। समापन समारोह में एक रंगीन और सुगंधित गुलदस्ते की तरह प्रत्येक फूल ने एक अलग चमक दिखाई। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में बृजभूषण शरण सिंह ने अपनी जीवंत और ऊजार्वान उपस्थिति से समारोह को रोशन किया। उन्होंने अपने आगमन से सभी का ध्यान आकर्षित किया और दर्शकों ने उनके नाम का जयकारा लगाया। विद्यालय के अध्यक्ष राकेश सिंघल, उपाध्यक्ष डॉ. हिमांशु सिंघल, प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, महानिदेशक डॉ. सुभाष गौतम और प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने उनका स्वागत किया और उन्हें मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करने का अनुरोध किया। दो अद्भुत नृत्य प्रस्तुतियों ने मंच पर चार चांद लगाए और क्लस्टर के आनंदमय गुलदस्ते में दो और फूल जोड़े। बृजभूषण शरण सिंह प्रस्तुतियों से इतने प्रभावित हुए कि वे अपनी सीट से उठकर कलाकारों को आशीर्वाद देने और उन्हें नकद पुरस्कार देने लगे। नृत्य प्रदर्शनी के बाद उन्हें मंच पर बुलाया गया और अपनी बातचीत में उन्होंने जोर देकर कहा कि छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ शारीरिक रूप से भी विकसित होना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों और माता–पिता से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को किसी न किसी खेल में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि खेल शरीर और आत्मा दोनों को खुशी प्रदान करते हैं। युवा खिलाड़ियों की आंखें उनके भाषण के दौरान चमक उठीं और उन्होंने निश्चित रूप से आज मुख्य अतिथि बृजभूषण शरण सिंह के विचारों को सुनकर ज्ञान प्राप्त किया। कुछ और फूलों ने हवा को सुगंधित कर दिया। आज के इस कार्यक्रम में अर्जुन अवार्डी अलका तोमर भी पहुँची और सभी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन किया। बाद में अध्यक्ष राकेश सिंघल, उपाध्यक्ष डॉ. हिमांशु सिंघल, प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, महानिदेशक डॉ. सुभाष गौतम और प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक सभी विशिष्ट अतिथियों को वॉलीबॉल कोर्ट की ओर ले गए, जहां उन्हें खिलाड़ियों से परिचित कराया गया। जल्द ही मैच शुरू हुए और रोमांचक मैचों के बाद अंततः परिणाम घोषित किए गए। अंडर–14 बालक वर्ग में, एमएच पब्लिक स्कूल दादरी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि जेएमएस वर्ल्ड स्कूल ने रजत पदक प्राप्त किया। सरस्वती हल्द्वानी और कृष्णा पब्लिक स्कूल मेरठ ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्राप्त किया।अंत में, अंडर–14 बालक वर्ग में, एमएच पब्लिक स्कूल दादरी ने स्वर्ण पदक, जेएमएस वर्ल्ड स्कूल ने रजत पदक और सरस्वती हल्द्वानी और कृष्णा पब्लिक स्कूल मेरठ ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्राप्त किया।

अंडर 17 बालक वर्ग में, एमएच पब्लिक स्कूल दादरी ने स्वर्ण पदक, श्री गुरु नानक उतराखंड स्कूल ने रजत पदक और न्यू एरा और सनराइज स्कूल गाज़ियाबाद ने संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्राप्त किया।